www.jagran.com

कैंडल जलाकर बिजली की समस्याओं का किया विरोध

कोकर जेसिया में बिजली की समस्या को लेकर प्रेस वार्ता करते अंजय पेचरीवाला व अन्य।

- बिजली नहीं मिलने के कारण छोटे उद्योग 23 वर्षों में तेजी से बंद हुए
- उद्योग बंद होने से10 लाख से अधिक लोगों की चली गई नौकरियां

जागरण संवाददाता, रांची : झारखंड में छोटे उद्योग के बंद होने के पीछे जेबीवीएनएल एक बड़ा कारण है। बिजली नहीं मिलने के कारण छोटे उद्योग 23 वर्षों में तेजी से बंद हुए हैं। इससे 10 लाख से अधिक नौकरियां चली गई है। यह बातें कोकर में झारखंड स्माल इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजय पचेरीवाला ने शुक्रवार को मोमबत्ती जलाकर विरोध व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सजधानी में 16-18 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 8-10 घंटे मात्र बिजली मिल रही है। साथ ही जिन क्षेत्रों में अधिक बिजली मिल रही है, वैसे क्षेत्रों में बिजली की आंख-मिचौली सबसे अधिक है। बिजली नहीं होने के कारण उत्पादन से लेकर ड्रिस्ट्रिबुशन में परेशानी आ रही है। जेनरेटर के भरोसे उत्पादन करना पड़ता है। इससे लागत दोगुना हो जाता है। इस प्रतिर्स्पधा के दौर में जेनरेटर जलाकर बाजार में खड़ा रहना संभव नही है। वहीं बार-बार बिजली जाने के कारण कई बार मशीन भी खराब हो जाते हैं। इससे आर्थिक हानी उठानी पडती है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई जिसे देश के विकास का मापदंड समझा जाता है, वह बंदी के कगार पर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष बिजली के कारण झारखंड को 1500 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। मौके पर संस्थान के उपाध्यक्ष अरूण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष अरूण खेमका, एसके अग्रवाल, सचिव शिवम सिंह आदि उपस्थित थे।

CamScanner